हिंदी भाषा और साहित्य का उद्‌भव और विकास–ग

'हिंदी–ग' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।

विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता–संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य

हिंदी भाषा का सामान्य परिचय

हिंदी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल की सामान्य विषेषताएँ

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल की सामान्य विषेषताएँ

इकाई–2

भक्तिकालीन कविता

कबीर

– गुरु गोविन्द दोऊ खड़े .....

– निन्दक नियरे राखिए .....

– कबीर संगति साधु की .....

– माला फेरत जुग भया .....

– पाहन पूजै हरि मिले .....

– वृच्छ कबहूँ न फल भखें .....

सूरदास

– मैया मैं नहिं माखन खायो .....

– उधो मन न भए दस–बीस .....

इकाई–3

बिहारी

– मेरी भव बाधा हरौं .....

– कनक कनक ते सौं गुनी ..

– थोड़े ही गुन रीझते .....

– कहत नटत रीझत खिझत .....

घनानंद

– अति सूधो सनेह को मारग .....

– रावरे रूप की रीति अनूप .....

इकाई–4

– माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा

– धूमिल : रोटी और संसद

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. बिहारी रत्नाकर : जगन्नाथदास रत्नाकर
4. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
5. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल
6. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
7. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य : डॉ. हुकुमचंद राजपाल
8. समकालीन साहित्य : एक दृष्टि : इन्द्रनाथ मदान

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट